5. नागरी लिपि

पाठ का सारांश

- जिस लिपि में यह लेख छपा है, उसे नागरी या देवनागरी लिपि कहते हैं। करीब दो सदी पहले पहली बार इस लिपि के टाइप बने और इसमें पुस्तकें छपने लगीं इसलिए इसके अक्षरों में स्थिरता आ गई है।
- हिन्दी तथा इसकी विविध बोलियाँ देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं। हमारे, पड़ोसी देश नेपाल की नेपाली व नेवारी भाषाएँ भी इसी लिपि में लिखी जाती हैं। मराठी भाषा की लिपि देवनागरी है। देवनागरी लिपि के बारे में एक और महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि संसार में जहाँ भी संस्कृत-प्राकृत की पुस्तकें प्रकाशित होती हैं, वे प्रायः देवनागरी लिपि में ही छपती हैं।
- गुजराती लिपि देवनागरी से अधिक भिन्न नहीं है। बंगला लिपि प्राचीन नागरी लिपि की पुत्री नहीं, तो बहन अवश्य है। हाँ, दक्षिण भारत की लिपियाँ वर्तमान नागरी से काफी भिन्न दिखाई देती हैं। लेकिन यह तथ्य हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए कि आज कुछ भिन्न-सी दिखाई देनेवाली – दक्षिण भारत की ये लिपियाँ (तमिल-मलयालम और तेलुगु-कन्नड़) भी नागरी की तरह प्राचीन ब्राह्मी से ही विकसित हुई हैं।
- दक्षिण भारत में पोथियाँ लिखने के लिए नागरी लिपि का व्यवहार होता था। दक्षिण भारत की यह नागरी लिपि नंदिनागरी कहलाती थी। कोंकण के शिलाहार, मान्यखेट के राष्ट्रकूट, देवगिरि : के यादव तथा विजयनगर के शासकों के लेख नदिनागरी लिपि में हैं।
- बारहवीं सदी में केरल के शासकों ने सिक्कों पर 'वीरकेरलस्य जैसे शब्द नागरी लिपि में अंकित हैं। श्रीलंका के पराक्रमबाहु, विजयबाहु (बारहवीं सदी) आदि शासकों के सिक्कों पर भी नागरी अक्षर देखने को मिलते हैं।
- उत्तर भारत के महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी, अलाउद्दीन खिलजी, शेरशाह, अकबर आदि शासकों ने सिक्कों पर नागरी शब्द खुदवाए थे। उत्तर भारत में मेवाड़ के गुहिल, सांभर-अजमेर के चौहान, कन्नौज के गाहड़वाल, काठियावाड़-गुजरात के सोलंकी, आबू के परमार, जेजाकभुक्ति (बुंदेलखण्ड) के चंदेल तथा त्रिपुरा के कलचूरि शासकों के लेख नागरी लिपि में ही हैं। उत्तर भारत की इस नागरी लिपि को हम देवनागरी के नाम से जानते हैं।
- नागरी नाम की उत्पत्ति तथा इसके अर्थ के बारे में विद्वानों में बड़ा मतभेद है। एक मत के अनुसार गुजरात के नागर ब्राह्मणों ने पहले-पहल इस लिपि का इस्तेमाल किया, इसलिए इसका नाम नागरी पड़ा।

- ‘पादताडितंकम्’ नामक एक नाटक से जानकारी मिलती है कि पाटलिपुत्र (पटना) को नगर कहते थे। हम यह भी जानते हैं कि स्थापत्य की उत्तर भारत की एक विशेष शैली को ‘नागर शैली’ कहते हैं। अतः ‘नागर या नागरी’ शब्द उत्तर भारत के किसी बड़े नगर से संबंध रखता है। असंभव नहीं कि यह बड़ा नगर प्राचीन पटना हो। चंद्रगुप्त (द्वितीय) “विक्रमादित्य’ का व्यक्तिगत नाम ‘देव’ था। इसलिए गुप्तों की राजधानी पटना को ‘देवनगर’ भी कहा जाता होगा। देवनगर की लिपि होने से उत्तर भारत की प्रमुख लिपि को बाद में देवनागरी नाम दिया गया होगा। लेकिन यह सिर्फ एक मत हुआ।
- कर्णाटक प्रदेश का श्रवणबेलगोल स्थान जैनों का एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। इस स्थान से विविध भाषाओं और लिपियों के अनेक लेख मिले हैं। एक अन्य नागरी लेख में लिखा है चावुण्डराजे करविय ले। ये लेख दक्षिणी शैली की नागरी लिपि में हैं।
- देवगिरि के यादव राजाओं के नागरी लिपि में बहुत सारे लेख मिलते हैं। कल्याण के पश्चिमी चालुक्य नरेशों के लेख भी नागरी लिपि में हैं। उड़ीसा (कलिंग प्रदेश) में ब्राह्मी को एक विशेष शैली, कलिंग लिपि का आस्तित्व था, परंतु गंगवंश के कुछ शासकों के लेख नागरी लिपि में भी मिलते हैं।
- उत्तर भारत में पहले-पहल गुर्जर-प्रतीहार राजाओं के लेखों में नागरी लिपि देखने को मिलती है। मिहिर भोज, महेन्द्रपाल आदि प्रख्यात प्रतीहार शासक हुए। मिहिर भोज 1840-81 ई की ग्वालियर प्रशस्ति नागरी लिपि (संस्कृत भाषा) में है।

5. नागरी लिपी

लेखक परिचय

लेखक :- गुणाकर मुले

जन्म - 1935 में महाराष्ट्र ग्रामीण परिवेश के अमरावति जिला में

प्रारंभिक शिक्षा : - ग्रामीण परिवेश (मराठी)

→ मैट्रिक से MA तक मुख्य विषय गणित था।

→ पिछले 25 वर्ष में 2400 से अधिक लेख तथा 30 से अधिक पुस्तक छापी है।

प्रमुख रचना : - अक्षरों की कहानी, भारत इतिहास और सांस्कृति प्राचीन भारत के महान दर्शिनक, सौरमंडल', सूर्य, नक्षत्र, लोक, भारतीय लिपियों की कहानी आंतरिक्ष यात्रा, ब्राहमण्ड परिचय, अक्षर कथा

→ नागरीलिपी निबंध भारतीय लिपीयों की कहानी नामक पुस्तक से लिया।

5. नागरी लिपि

Short answer question

1. (i) मराठी भाषा में वह कौन-सा विशेष अक्षर है जो हिंदी में नहीं पाया जाता ? यह विशेष अक्षर किन भाषाओं में मिलता है ?

उत्तर - मराठी भाषा में 'ळ' एक विशेष ध्वनि (अक्षर) है जो हिंदी में नहीं पाई जाती। यह विशेष अक्षर (ध्वनि) संस्कृत और प्राकृत भाषाओं में पाया जाता है।

(ii) देवनागरी लिपि के संबंध में कौन-सा तथ्य महत्त्वपूर्ण है ?

उत्तर - संसार में जहाँ भी संस्कृत प्राकृत की पुस्तकें प्रकाशित होती हैं, वे प्रायः देवनागरी लिपि में ही प्रकाशित होती हैं।

(iii) संस्कृत-प्राकृत की ध्वनियाँ रोमन लिपि में कैसे लिखी जाती हैं ?

उत्तर - संस्कृत-प्राकृत की ध्वनियाँ रोमन लिपि में ऊपर-नीचे कुछ चिह्न जोड़ते हुए लिखी जाती है।

2. (i) 'नागरी' शब्द के संबंध में लेखक की क्या धारणा है?

उत्तर - लेखक की धारणा है कि 'नागरी' शब्द किसी नगर अथवा बड़े शहर से संबंधित है।

(ii) देवनगरी कौन-सा नगर है? इस नगर में प्रयुक्त लिपि का नाम क्या पड़ा ?

उत्तर - काशी देवनगरी है। इस नगर में प्रयुक्त लिपि का नाम 'देवनागरी' पड़ा।

(iii) अल्बेरूनी के अनुसार, 'नागर' लिपि का इस्तेमाल कहाँ होता था ?

उत्तर - अल्बेरुनी के अनुसार, 'नागर' लिपि का इस्तेमाल मालवा में होता था।

3. नागरी को 'देवनागरी' क्यों कहते हैं ? लेखक इस संबंध में क्या बतलाते हैं? 'नागरी लिपि' शीर्षक पाठ के अनुसार उत्तर दें।

उत्तर - लेखक (गुणाकर मुले) 'नागरी लिपि' शीर्षक पाठ में अनुमान के आधार पर प्रस्तुत प्रश्न का उत्तर देते हुए कहते हैं कि चंद्रगुप्त (द्वितीय) 'विक्रमादित्य' का व्यक्तिगत नाम देव' था, इसलिए गुप्तों की राजधानी पटना को 'देवनगर' भी कहा जाता होगा। देवनगर की लिपि होने से उत्तर भारत की प्रमुख लिपि को बाद में 'देवनागरी' नाम दिया गया होगा।

4. **(i) लेखक क्यों ईर्ष्या से जल गया ?**

उत्तर - लेखक जब अपनी बहन की शादी में घर गया तब उसने अपनी दोनों भाभियों को रानी की तरह बैठकर चारपाइयाँ तोड़ते देखा। वह ईर्ष्या से जल गया। उसकी पत्नी, निर्मला तो सुबह से देर रात तक खटती रहती है और उसकी भाभियाँ नौकर के चलते बड़े आराम में हैं। लेखक इसी ईर्ष्या से जल गया।

(ii) लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि इस दुनिया में उसकी पत्नी के समान अभागिन और दुखिया स्त्री कोई नहीं है ?

उत्तर - लेखक को ऐसा इसलिए लगता है, क्योंकि जहाँ दूसरी स्त्रियों को (भाई और रिश्तेदारों की पत्नियों को) नौकरों के चलते आराम-ही-आराम हैं, वहाँ उसकी पत्नी को सुबह से रात तक खटना पड़ता है।

Long answer question

1. **नागरी लिपि के साथ किसका जन्म होता है? इसके संबंध में लेखक क्या जानकारी देता है ?**

उत्तर - नागरी लिपि के साथ अनेक प्रादेशिक भाषाओं का जन्म होता है। इस संबंध में लेखक अन्य जानकारी देता हुआ लिखता है कि हिंदी के आदिकवि सरहपाद (सरहपा) की तिब्बत से प्राप्त 'दोहाकोश' की हस्तलिपि दसवीं-ग्यारहवीं सदी की लिपि में (नागरी में) लिखी गई है। नेपाल और भारत के जैन-

भंडारों से इस काल की बहुत-सी हस्तलिपियाँ मिली हैं जो नागरी लिपि में ही लिखित हैं। इस काल में गुजराती, मराठी, बँगला, असमी, उड़िया (ओड़िया) आदि आधुनिक आर्य भाषाएँ भी जन्म ले रही थीं। इस समय से इन भाषाओं के लेख मिलने लगते हैं। इन भाषाओं की लिपियाँ भी नागरी लिपि से बहुत प्रभावित हैं। बँगला तथा ओड़िया लिपियाँ पुरानी नागरी की पूर्वी शैली से विकसित हैं। असमी लिपि बँगला लिपि की बहन है, गुजराती लिपि पुरानी नागरी लिपि से ही निकली है और हिंदी के लिए प्रयुक्त नागरी की बहन है।

2. लेखक ने किन भारतीय लिपियों से देवनागरी का संबंध बताया है ?

उत्तर - गुजराती लिपि देवनागरी लिपि से बहुत कुछ मिलती है। यह लिपि देवनागरी से अधिक भिन्न नहीं है। बँगला लिपि भी प्राचीन नागरी लिपि से बहुत समता रखती है। लेखक का कहना है कि बँगला लिपि प्राचीन नागरी लिपि की पुत्री नहीं, तो बहन अवश्य है। दक्षिण भारत की तमिल, तेलुगु, कन्नड़ तथा मलयालम लिपियाँ भी 'नागरी' की तरह प्राचीन ब्राह्मी से विकसित हुई हैं। कुछ समय पूर्व तक दक्षिण भारत में पोथियाँ लिखने के लिए नागरी लिपि का व्यवहार होता था। दक्षिण भारत की नागरी लिपि ही 'नंदिनागरी' के रूप में प्रसिद्ध है।

3. गुर्जर-प्रतिहार कौन थे? बाद में इन्होंने कहाँ अधिकार कर लिया था ?

उत्तर - इतिहासकारों की ऐसी मान्यता है कि गुर्जर-प्रतिहार ईसा की आठवीं सदी - के पूर्वार्द्ध में बाहर से भारत आए थे और अवंती प्रदेश (उज्जैन, मालव प्रदेश) में अपना शासन स्थापित किया था। उसके बाद कन्नौज पर भी अधिकार कर लिया था। मिहिरभोज, महेंद्रपाल आदि प्रसिद्ध प्रतिहार शासक हुए।

4. 'नंदिनागरी' किसे कहते हैं? किस प्रसंग में लेखक ने इसका उल्लेख किया है ?

उत्तर - दक्षिण भारत की नागरी लिपि को 'नंदिनागरी' कहते हैं। कोंकण के शिलाहार, मान्यखेत के राष्ट्रकूट देवगिरी के यादव तथा विजयनगर के शासकों के लेख 'नंदिनागरी' लिपि में प्राप्त होते हैं। लेखक ने नागरी लिपि के विकास के प्रसंग में उसका उल्लेख किया है। प्राचीन नागरी लिपि मूलतः उत्तरी लिपि है, पर दक्षिण भारत में भी कुछ स्थानों पर यह 8वीं सदी से मिलती है। दक्षिण भारत में इसका नाम 'नागरी' न होकर 'नंदिनागरी' ('नंदनागरी) है।

5. (i) ब्राह्मी' और 'सिद्धम' लिपि की तुलना में नागरी लिपि की मुख्य पहचान क्या है ?

उत्तर - 'ब्राह्मी' तथा बाद की 'सिद्धम' लिपि में अक्षरों के सिरों पर छोटी आड़ी लकीरें या छोटे ठोस तिकोने होते हैं। लेकिन, नागरी लिपि के अक्षरों के सिरों पर पूरी लकीरें होती हैं और शिरोरेखाएँ उतनी ही लंबी होती हैं जितनी की अक्षरों की चौड़ाई होती है। नागरी लिपि में कुछ ऐसे लेख भी प्राप्त हुए हैं जिनके अक्षरों के सिरों पर 'ब्राह्मी' तथा 'सिद्धम' लिपि के समान तिकोन विराजमान हैं। नागरी लिपि की

दूसरी पहचान है कि इस प्राचीन नागरी के अक्षर आधुनिक नागरी से मिलते-जुलते है। इस समता के कारण हम थोड़े अभ्यास के बल पर इसे आसानी से पढ़ सकते हैं।

(ii) नागरी लिपि कब तक सार्वदेशिक लिपि थी ?

उत्तर - देशभर से नागरी लिपि में बहुत सारे लेख मिले हैं, जिनके आधार पर यह निस्संकोच कहा जा सकता है कि ईसा की 8वीं- 11वीं सदियों में नागरी लिपि पूरे देश में व्याप्त थी। इस काल में मेवाड़, साँभर, अजमेर, कन्नौज, काठियावाड़, आबू (राजस्थान), बुंदेलखंड, त्रिपुरा आदि के शासकों के लेख नागरी लिपि में प्राप्त होते हैं। इस तरह, हम देखते हैं कि 8वीं-11वीं सदियों में नागरी लिपि सार्वजनिक लिपि हो गई थी।

(iii) नागरी को देवनागरी क्यों कहते हैं?

उत्तर - नागरी को देवनागरी कहे जाने के संबंध में लेखक (गुणाकर मुले) कहते हैं कि यह धारणा गलत है कि गुजरात के नागर ब्राह्मणों ने पहले-पहल इस लिपि का प्रयोग किया, इसलिए इसका नाम 'नागरी' पड़ा तथा देवनगरी काशी में प्रयुक्त किए जाने के कारण इसे 'देवनागरी' कहा गया । लेखक के अनुसार, चंद्रगुप्त (द्वितीय) 'विक्रमादित्य' का व्यक्तिगत नाम 'देव' था, इसलिए गुप्तों की राजधानी पटना को 'देवनगर' भी कहा गया और 'देवनगर' की लिपि होने के कारण उत्तर भारत की इस प्रमुख लिपि को 'देवनागरी' नाम दे दिया गया।

(iv) नागरी की उत्पत्ति के संबंध में लेखक क्या कहता है ? पटना से नागरी का क्या संबंध लेखक ने बताया है?

उत्तर - नागरी लिपि की उत्पत्ति के संबंध में लेखक का कहना है कि चंद्रगुप्त (द्वितीय) विक्रमादित्य का व्यक्तिगत नाम 'देव' था। इनके नाम के आधार पर ही गुप्त साम्राज्य की राजधानी 'पटना' 'देवनगर' के रूप में विख्यात हुई। इसी 'देवनगर' के नाम पर यहाँ प्रचलित लिपि को 'देवनागरी' कहा गया।

5. नागरी लिपि

1. नागरी लिपि निबंध के लेखक हैं -

(A) गुणाकर मुले

(B) अज्ञेय

(C) पंत

(D) प्रसाद

Ans – (A)

2. नागरी लिपि शीर्षक पाठ साहित्य की कौन सी विद्या है ?

(A) साक्षात्कार

(B) निबंध

(C) भाषण

(D) कहानी

Ans – (B)

3. गुणाकर मुले द्वारा रचित निबंध कौन सी है ?

(A) नाखून क्यों बढ़ते हैं

(B) परंपरा का मूल्यांकन

(C) नागरी लिपी

(D) श्रम विभाजन और जाति प्रथा

Ans – (C)

4. गुणाकर मुले का जन्म कब हुआ था ?

(A) 1935

(B) 1925

(C) 1916

(D) 1908

Ans – (A)

5. नागरी लिपि का प्राचीनतम लेख किस प्रदेश से मिलते हैं ?

(A) दक्खन प्रदेश

(B) कलिंग प्रदेश

(C) पांड्य प्रदेश

(D) कोंकण प्रदेश

Ans – (A)

6. नागरीलिपि में प्राचीन मराठी भाषा के लेख मिलने लग जाते हैं ?

(A) आठवीं सदी

(B) नौवीं सदी

(C) दसवीं सदी

(D) ग्यारहवीं सदी

Ans – (D)

7. देवनागरी लिपि में कौन-सी भाषा लिखी जाती है ?

(A) हिन्दी

(B) नेपाली (खसकुरा) व नेवारी

(C) मराठी

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

8. उत्तर भारत से नागरी लिपि के लेख कब से मिलने लगते हैं ?

(A) आठवीं सदी

(B) छठी सदी

(C) नौवीं सदी

(D) चौथी सदी

Ans – (C)

9. हिन्दी के आदि कवि हैं -

(A) चंदबरदाई

(B) अमीर खुसरो

(C) बिहारीलाल

(D) सरहपा

Ans – (D)

10. 'सरहपा' की कृति है —

(A) दोहाकोश

(B) पृथ्वीराज रासो

(C) मृच्छकटिकम

(D) मेघदूतम्

Ans – (A)

11. ‘नागरी लिपि’ के लेखक हैं ?

(A) महात्मा गाँधी

(B) विनोद कुमार शुक्ल

(C) गुणाकर मुले

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – (C)

12. बारहवीं सदी के केरल के शासकों के सिक्कों पर 'वीरकेरलस्य' जैसे शब्द ..... लिपि में अंकित है ?

(A) ब्राह्मी

(B) खरोष्ठी

(C) गुजराती

(D) देवनागरी

Ans – (D)

13. ईसा की चौदहवीं-पंद्रहवीं सदी के विजयनगर के शासकों ने अपने लेखों की लिपि को कहा है -

(A) नंदिनागरी

(B) देवनागरी

(C) गुजराती

(D) ब्राह्मी

Ans – (A)

14. बेतमा दानपत्र किस समय का है ?

(A) 1020 ई०

(B) 1021 ई०

(C) 1022 ई०

(D) 1023 ई०

Ans – (A)

15. गुणाकर मुले ने अपनी किस पुस्तक में संसार की प्रायः सभी प्रमुख पुरालिपियों की विस्तृत जानकारी दी है?

(A) अक्षर कथा

(B) अक्षरा की कहानी

(C) भारत: इतिहास और संस्कृति

(D) नक्षत्र-लोक

Ans – (A)

16. महमूद गजनवी के बाद के किस शासक ने अपने सिक्कों पर नागरी शब्द खुदवाए हैं ?

(A) मुहम्मद गौरी

(B) अलाउद्दीन खिलजी

(c) शेरशाह

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

17. उत्तर भारत में पहले-पहल किस राजाओं के लेखों में नागरी लिपि देखने को मिलती है ?

(A) राष्ट्रकूट राजा

(B) गुर्जर-प्रतीहार राजाओं

(C) चोल राजाओं

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (B)

18. नागरी लिपि के आरंभिक लेख हमें कहाँ से मिले हैं ?

(A) पूर्वी भारत

(B) पश्चिमी भारत

(C) दक्षिणी भारत

(D) उत्तरी भारत

Ans – (C)

19. 'नक्षत्र लोक' किस लेखक की कृति है ?

(A) विनोद कुमार शुक्ल

(B) गुणाकर मुले

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(D) मैक्समूलर

Ans – (B)

20. मराठी भाषा की लिपि क्या है ?

(A) खरोष्ठी लिपि

(B) प्राकृत लिपि

(C) नागरी लिपि

(D) देवनागरी लिपि

Ans – (D)

21.'धारा नगरी' के कौन परमार शासक विद्यानुरागी थे ?

(A) महेन्द्रपाल

(B) भोज

(C) मिहिर भोज

(D) अमोघवर्ष

Ans – (B)

22. चन्द्रगुप्त (द्वितीय) का व्यक्तिगत नाम क्या था ?

(A) देव

(B) महादेव

(C) शैलदेव

(D) रामदेव

Ans – (A)

23. हिन्दी भाषा की लिपि क्या है ?

(A) ब्राह्मी लिपि

(B) देवनागरी लिपि

(C) चित्रलिपि

(D) गुरुमुखी लिपि

Ans – (B)

24.'दोहा-कोश' किसकी रचना है ?

(A) सरहपा की

(B) रसखान की

(C) जीवनानंद दास की

(D) गुरुनानक की

Ans – (A)

25.'रामायण' की रचना किस भाषा में है ?

(A) संस्कृत

(B) हिन्दी

(C) उर्दू

(D) अंग्रेजी

Ans – (A)

26. तमिल, मलयालम, तेलगू, कन्नड़ भाषाएँ हैं -

(A) उत्तर भारत की

(B) पश्चिम भारत की

(C) पूर्वी भारत की

(D) दक्षिण भारत की

Ans – (D)

27. पहली बार देवनागरी लिपि के टाइप कब बने ?

(A) करीब दो सदी पहले

(B) करीब तीन सदी पहले

(C) करीब पाँच सदी पहले

(D) करीब चौथी सदी के पहले

Ans – (A)

28.'अक्षरों की कहानी' किसकी रचना है ?

(A) मैक्समूलर

(B) गुणाकर मुले

(C) बिरजू महाराज

(D) रामविलास शर्मा

Ans – (B)

29.'नागरी लिपि' निबंध गुणाकर मुले की किस पुस्तक से लिया गया है ?

(A) अक्षरों की कहानी

(B) नक्षत्र-लोक

(C) भारतीय लिपियों की कहानी

(D) अंतरिक्ष यात्रा

Ans – (B)

30. 9 वीं सदी में सुदूर दक्षिण से प्राप्त वरगुण का पलियम ताम्रपत्र किस लिपि में है ?

(A) नागरी लिपि

(B) रोमन लिपि

(C) ब्राह्मी लिपि

(D) खरोष्ठी लिपि

Ans – (A)

31.'सूर्य' नामक पुस्तक किनकी रचना है ?

(A) मैक्स मूलर

(B) बिरजू महाराज

(C) गुणाकर मुले

(D) महात्मा गाँधी

Ans – (C)

32. नेवारी भाषाएँ किस लिपि में लिखी जाती है ?

(A) देवनागरी

(B) खरोष्ठी

(C) शौरसेनी

(D) ब्राह्मी

Ans – (A)

33.'भारतीय लिपियों की कहानी' पुस्तक के रचयिता कौन हैं ?

(A) भीमराव अंबेडकर

(B) मैक्समूलर

(C) यतीन्द्र मिश्र

(D) गुणाकर मूले

Ans – (D)

34.'हिंदी तथा इसकी विविध बोलियाँ' किस लिपि में लिखी जाती हैं ?

(A) देवनागरी

(B) खरोष्ठी

(C) तेलगु

(D) ब्राह्मी

Ans – (A)